भजन

मैं दीदार पिया का चाहूं,यहीं चाहत है मेरी
तूं है मेरा मैं हूं तेरी,पिया...

1–तेरी रूह हूं तेरे बिन इक पल न रह पाऊं मैं
राह निहारूं उस पल की,जिस पल सनमुख हो जाऊं
मेरी रूह खुशी से झूमे जब हो तुम से बातें,
तेरे इश्क में डुबोयें,जैसे हो दिन रातें
नैनों बीच राखूं पिया,दिल ही दिल में देखूं
पिया ऐसे मैं निहारूं,मेरा रोम रोम वारूं
मेरे पिया दिल ही में रहते हो,रहते हो पिया
2– तेरी प्रीत बिना ओ प्रीतम,कुछ और मैं न चाहूं
तुझ में ही खो जाऊं–2
तेरे नैनों का नशा है बढ़ता ही जाए
मेरी रूह को जो खैंचे ले खुद में ही समाए
लिए रूह शर्म नजर में,नैनों से नैन मिलाए
पिया तेरी ये सुहागिन,तन मन से तुझे रिझाए